नवरात्र पर्व

101 साल से चली आ रही परंपरा , मां जगतजननी के स्वागत की तैयारियां शुरू , इस बार भी होंगे विशेष आयोजन

मां दुर्गा के स्वागत को बेताब बंगाली समुदाय

नवभारत,जबलपुर । बंगाली समुदाय में मां दुर्गा का आगमन सिर्फ पूजा का अवसर नहीं, बल्कि बेटी के मायके लौटने जैसा उत्सव है। इसी भाव के साथ सिटी बंगाली क्लब करमचन्द चौक में इस बार भी मां दुर्गा के स्वागत की तैयारियां शुरू हो गई हैं। खास बात यह है कि इस वर्ष यहां दुर्गा पूजा की परंपरा को 101 साल पूरे हो रहे हैं। बंगाली मान्यता के अनुसार मां दुर्गा अपने मायके आती हैं। जिस तरह बेटी के घर लौटने पर परिवार उसका स्वागत और आवभगत करता है, उसी भाव से मां दुर्गा की पूजा की जाती है। मां के साथ उनके बच्चे गणेश, लक्ष्मी, कार्तिकेय और सरस्वती भी आते हैं। इसी पारिवारिक भाव को पूजा में प्रमुखता दी जाती है।

छठी से स्थापित होगी प्रतिमा नवमीं तक चलेगा भंडारा

क्लब के सदस्यों ने बताया कि षष्ठी यानी छठी तिथि को मां की प्रतिमा स्थापित की जाएगी। इसके साथ ही पूजा-अनुष्ठान शुरू होंगे। छठी से नवमी तक श्रद्धालुओं के लिए भंडारे



का आयोजन भी चलेगा। इसमें बंगाली स्वाद के अनुरूप खिचड़ी, सब्जी, खीर सहित अन्य प्रसाद परोसा जाएगा।

अल्पना थीम से सजेगा पूजा पंडाल

इस बार पूजा की थीम में अल्पना को प्रमुखता दी गई है। बंगाल की पारंपरिक कला अल्पना के जरिए पंडाल और पूजा स्थल को पारंपरिक रूप देने की तैयारी है जिसमें थर्माकोल का इस्तेमाल किया जा रहा है। इससे जबलपुर में रहते हुए श्रद्धालुओं को बंगाल की सांस्कृतिक झलक भी देखने को मिलेगी।

हर साल कोलकाता से आते हैं कारीगर

मां की प्रतिमा तैयार करने की भी अपनी खास परंपरा है। हर साल प्रतिमा निर्माण के लिए कोलकाता से ही कारीगरों को बुलाया जाता है। इस बार भी पश्चिम बंगाल से आए दो-तीन कारीगर प्रतिमा को आकार देने में जुटे हैं।

कोलकाता की मिट्टी से मां का चेहरा

मां की प्रतिमा तैयार करने के लिए पश्चिम बंगाल से आए मूर्तिकार और कारीगर पिछले चार साल से यह काम कर रहे हैं। कारीगरों के अनुसार प्रतिमा में इस्तेमाल होने वाली सामग्री में चारा, मिट्टी, लकड़ी, कपड़ा और आभूषण शामिल हैं। प्रतिमा का चेहरा विशेष रूप से कोलकाता की मिट्टी से तैयार किया गया है, जबकि कपड़ा और ज्वेलरी भी कोलकाता से मंगाई गई है। कारीगरों के अनुसार इस बार प्रतिमा तैयार करने में करीब डेढ़ लाख रुपए की लागत आ रही है।

फैक्ट फाइल - बंगाली दुर्गा पूजा

पूजा का वर्ष	-	101वां वर्ष
उत्सव	-	छठी से नवमी तक
इस साल की थीम	-	बंगाल की पारंपरिक अल्पना
प्रतिमा के कारीगर	-	कोलकाता से हर साल बुलाए जाते हैं
कारीगरों की संख्या	-	2-3
प्रतिमा में सामग्री	-	चारा, मिट्टी, लकड़ी, कपड़ा, आभूषण
मां का चेहरा	-	कोलकाता की मिट्टी से
कपड़ा-ज्वेलरी	-	कोलकाता से
प्रतिमा की अनुमानित लागत	-	करीब 1.5 लाख रुपए

इनका कहना है



हर साल कोलकाता से यहां मां दुर्गा की प्रतिमा तैयार करने के लिए आते हैं। पिछले चार साल से यह जिम्मेदारी संभाल रहे हैं और कोशिश रहती है कि प्रतिमा में बंगाल की पारंपरिक शैली बनी रहे। मां के चेहरे की बनावट पर खास ध्यान दिया जाता है, जिसके लिए कोलकाता की मिट्टी का इस्तेमाल किया जा रहा है। चेहरे के भाव और आंखों की बारीकी प्रतिमा को अलग पहचान देने का काम करती है।

प्रशांत नैया , कारीगर , पश्चिम बंगाल



प्रतिमा तैयार करने का काम कई चरणों में होता है और हर हिस्से को हाथ से आकार देने में समय लगता है। चारा, मिट्टी और लकड़ी से ढांचा तैयार करने के बाद कपड़े और आभूषणों से अंतिम रूप दिया जाता है। इस बार प्रतिमा की पूरी लागत करीब डेढ़ लाख रुपए आ रही है। हर साल कोलकाता से कारीगरों को बुलाकर प्रतिमा बनवाना यहां की पूजा की पुरानी परंपरा का हिस्सा है।

रंजीत पाल , कारीगर , पश्चिम बंगाल

मदन महल दरगाह में उमड़ा अकीदतमंदों का सैलाब

ग्यारहवीं शरीफ के आखिरी उर्स मेले में हजारों जायरीन पहुंचे



नवभारत,जबलपुर। मदन महल पहाड़ी जुमेरात को अकीदत के रंग में रंगी नजर आई। हजरत पीराने पीर गौस-ए-आजम की दरगाह शरीफ में ग्यारहवीं शरीफ के आखिरी उर्स मेले में शहर ही नहीं, बल्कि दूर-दराज से हजारों की संख्या में जायरीन पहुंचे। सुबह से देर रात तक दरगाह शरीफ की ओर जाने वाले रास्तों पर जायरीन की भीड़ नजर आई। अकीदतमंदों ने चादर और निशान पेश कर नजर-ओ-नियाज पेश की और लंगर तकसीम किया।

नमाज-ए-फज्र के बाद से ही जायरीन की आमद शुरू हो गई थी। दोपहर बाद दरगाह शरीफ में भीड़ का सिलसिला और बढ़ गया। मदन महल पहाड़ी क्षेत्र 'या गौस अल मदद' की सदाओं से गूंजता रहा। सूपाताल कब्रिस्तान से दरगाह शरीफ तक करीब एक किलोमीटर के रास्ते पर दिनभर जायरीन की आवाजाही बनी रही। शहनाई और बैंड पर गूंजती नातिया धुनों के बीच सैकड़ों चादरें और निशान दरगाह शरीफ पर पेश किए गए। मुस्लिम समाज के साथ अन्य धर्मों के लोगों ने भी चादर और निशान पेश कर आपसी सद्भाव की मिसाल पेश की। 11 और 21 मीटर लंबी चादरों के साथ 31 और 51 फुट ऊंचे निशान भी आकर्षण का केंद्र रहे। दरगाह परिसर में बाबाओं पर हाल की आमद भी हुई। उनके आसपास मुरीदों और अकीदतमंदों की भीड़ लगी रही। बड़ी संख्या में महिलाएं अपने बच्चों के साथ दरगाह पहुंचीं। उर्स मेले में लगे खान-पान के स्टॉल और बच्चों के झूले भी लोगों के आकर्षण का केंद्र रहे।

सूफी संत सम्मेलन में गूंजा मोहब्बत और भाईचारे का पैगाम

उर्स मेले के दौरान अपराह्न जलसागाह में सूफी संत सम्मेलन का आयोजन किया गया। मुतवल्ली सैय्यद कादिर अली कादरी की सरपरस्ती, सूफी मुबारक कादरी की सदारत और सज्जादानशीन खलीफा इनायत कादरी की निजामत में 'बज्म-ए-सूफिया' का आयोजन हुआ। सम्मेलन में कादरी, चिश्ती, निजामी, साबरी, मदारी, न्याजी, रजवी, वारसी, सुल्तानी, बुर्हानी, अशरफी, रब्बानी और बंदानवाजी सहित विभिन्न सूफी सिलसिलों के बुजुर्गों ने शिरकत की। इनमें मुख्य रूप से गुड्डू बाबा, अरुण महाराज (वृंदावन), प्रकाश बाबा, सूफी असर चिश्ती साबरी, संजय रजक, हकीम बाबा, शाहनवाज अहमद, सफीक बाबा (नरसिंहपुर), राजेंद्र कोरी सहित अन्य शामिल रहे। दरगाह के खादिमान जुल्फिकार अली, निजाम कादरी, बासित कादरी, मंसूर अली, याकूब अली शाह, जवाहर कादरी, अफजल कादरी, अमान कादरी और राज कादरी ने सूफी हजरात की दस्तारबंदी कर इस्तकबाल किया।

आज जुमे की नमाज के बाद कुल शरीफ

ग्यारहवीं शरीफ के सिलसिले में शुक्रवार को जुमे की नमाज के बाद दरगाह शरीफ में कुल शरीफ का आयोजन किया जाएगा। इसमें दूर-दराज से आए सूफी हजरात की दस्तारबंदी कर विदाई दी जाएगी। वहीं कुल शरीफ के मौके पर हसनी हुसैनी सोसायटी जबलपुर के तत्वावधान में लंगर-ए-गौसिया का आयोजन किया जाएगा। दरगाह पर आने वाले जायरीन और अकीदतमंदों के लिए लंगर की व्यवस्था रहेगी।

एक नजर में

आर्थिक उत्कृष्टता सम्मान समारोह आज

नवभारत,जबलपुर। जबलपुर चैम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री इस वर्ष 9 अक्टूबर दिन शुक्रवार को अपने 30 वर्ष पूर्ण करने जा रहा है । 30वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में आयोजित आर्थिक उत्कृष्टता सम्मान समारोह तीन दशकों की सामूहिक उपलब्धियों को चिंहित करते हुए उन उद्यमियों, उद्योगपतियों और नवोन्मेषी स्टार्टअप्स को सम्मानित किया जा रहा है। इस अवसर पर जबलपुर चैम्बर के प्रेम दुबे, कमल ग्रोवर, राधेश्याम अग्रवाल, अजय बख्तावर, अजय अग्रवाल, पंकज माहेश्वरी, नरिन्दर सिंह पांधे, बलदीप मैनी, वीरेन्द्र केशरवानी, रजनीश त्रिवेदी, मनोज सेठ, मुकेश अग्रवाल (बंसाला), राकेश श्रीवास्तव, अभिषेक ध्यानी, अनिल अग्रवाल (सी. ए.), भीमलाल गुप्ता, कुलदीप सिंह लाम्बा, अरुण पवार, आशीष कोठारी, निखिल पाहवा, दीपक सेठी, धनंजय बाजपेई, अभिषेक ओसवाल, नमन अग्रवाल, विनीत गोकलानी, संतोष गुप्ता, असलम खान, जुगल तिवारी, प्राची नामदेव, अकांक्षा विश्वकर्मा, शशिकांत पांडेय, उमेश ग्रावकर आदि ने सभी सदस्यों से निवेदन किया है कि 9 अक्टूबर की शाम 07.30 बजे होटल सत्य अशोका में पधारकर कार्यक्रम को सफल बनाएं।

संविदा कर्मचारियों के नियमितीकरण की मांग

जबलपुर। मप्र विद्युत मंडल तकनीकी कर्मचारी संघ के प्रांतीय महासचिव हरेंद्र श्रीवास्तव के नेतृत्व में संघ के प्रतिनिधिमंडल ने लोक निर्माण विभाग मंत्री राकेश सिंह को ज्ञापन सौंपकर संविदा कर्मचारियों के नियमितीकरण की मांग उठाई। हरेंद्र श्रीवास्तव ने बताया कि ऊर्जा विभाग द्वारा 24 जुलाई 2026 को पत्र जारी कर संविदा आधार पर नियुक्त कर्मचारियों को 30 अक्टूबर 2026 तक नवीन नियुक्ति योजना के तहत नियमित पदों पर नियमितीकरण की प्रक्रिया पूरी करने के निर्देश दिए गए हैं, लेकिन नोडल कंपनी प्रबंधन ने अब तक प्रक्रिया शुरू नहीं की है।प्रतिनिधिमंडल में मोहन दुबे, राजकुमार सैनी, लखन सिंह राजपूत, किशोर और दशरथ शर्मा सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे। संघ ने मंत्री राकेश सिंह को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपते हुए लंबित प्रक्रिया तत्काल शुरू कराने की मांग की।

श्री धनुष यज्ञ रामलीला में हुआ अहिल्या उद्धार लीला का मंचन



श्रापित अहिल्या का उध्दार

नवभारत, जबलपुर। सुबाहु तड़का वध के बाद यज्ञ पूर्ण हुआ, विश्वामित्र राम लक्ष्मण अनेक विघदय को देने के बाद जन कल्याण के लिए उन्हें लेकर जनकपुरी की ओर बढ़ते हैं। रास्ते में ऋषि गौतम श्रापित नारी अहिल्या आश्रम विश्वामित्र इंद्र की कहानी गौतम का श्राप महान पुरुषों कृतज्ञता से अवगत कराया। राम अपने पावन चरणों से अहिल्या का उद्धार करो जैसे ही भगवान ने पत्थर को स्पर्श किया महान नारी का रूप राम के दर्शन पाए यह दृश्य देखकर लोगों की आंखों से अश्रु धारा बहने लगी। यह दृश्य सदर श्री धनुष यज्ञ रामलीला में अहिल्या लीला मंचन में दिखाई दिया। जिसमें श्रोंताओं ने रामलीला में अहिल्या उद्धार लीला का मंचन करते हुए श्रीराम के जयकारे लगाए। इस दौरान आरती दिलीप रजक, रमेश बिल्वालिया, चमन धानुका, शरद शर्मा, निशांत शमा द्वारा की गई। वहीं आज शुक्रवार को फुलवारी लीला गौरी पूजन का मंचन होगा।

कर्मचारियों को सौर ऊर्जा की व्यावहारिक बारीकियों से अवगत कराना जरूरी



पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना पर दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ

नवभारत,जबलपुर। मध्य प्रदेश पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड के नयागांव, जबलपुर स्थित केन्द्रीय प्रशिक्षण संस्थान में 'पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना' के प्रभावी क्रियान्वयन के उद्देश्य से दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ । टाटा पॉवर स्किल डेवलपमेंट इंस्टीट्यूट के तत्वावधान में आयोजित किए जा रहे इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में कंपनी के कर्मचारियों को योजना से संबंधित विभिन्न पहलुओं की जानकारी एवं प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है। प्रशिक्षण कार्यक्रम के शुभारंभ अवसर पर मुख्य अभियंता (ज.क्षे.) एवं मुख्य महाप्रबंधक (प्रशिक्षण) श्री एस. के. गिरिया तथा उप प्रबंधक के. बी. थापा प्रमुख रूप से उपस्थित रहे ।

10 बैच में कर्मचारियों को किया जाएगा प्रशिक्षित

इस अवसर पर एस. के. गिरिया ने कहा कि पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना केंद्र सरकार की महत्वपूर्ण योजना है। योजना के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए मैदानी स्तर पर कार्यरत कर्मचारियों को सौर ऊर्जा एवं योजना की तकनीकी तथा व्यावहारिक बारीकियों से अवगत कराना आवश्यक है। इसी उद्देश्य से यह प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। प्रशिक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत कुल 10 बैच में कर्मचारियों को चरणबद्ध तरीके से प्रशिक्षित किया जाएगा । प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों की अनिवार्य उपस्थिति सुनिश्चित की गई है, ताकि सभी संबंधित कर्मचारी योजना के विभिन्न प्रावधानों, प्रक्रियाओं एवं कार्यप्रणाली से भली-भांति परिचित हो सकें ।

गोविंदगंज रामलीला में प्रभु श्रीराम की बारात आज

जुलूस मार्ग में उत्साह, निवाड़गंज में बनेगा जनवासा

नवभारत,जबलपुर। गोविंदगंज रामलीला की 162वीं श्रीराम बारात शुक्रवार शाम धूमधाम और श्रद्धामय वातावरण में निकाली जाएगी। अध्यक्ष पं. अनिल तिवारी ने बताया कि श्रीरामबारात शाम सात बजे रामलीला प्रांगण से प्रारंभ होगी। उत्तर मध्य के विधायक अभिलाष पांडे सहित नगर के जनप्रतिनिधि और विशिष्ठजन भगवान की पूजन-अर्चन कर बारात में शामिल होंगे। बारात में गुरुवर विश्वामित्र के साथ राम-लक्ष्मण, महाराज दशरथ के



साथ भरत-शत्रुघन सहित कई धर्ममयी झांकि यां शामिल होंगी। बारात रामलीला भवन से गुड़हाई, कोतवाली, कमानिया, फुहारा, बड़े महावीर, पांडे चौक, बल्देवबाग, चेरीताल, गोपालबाग, दमोह नाका होते हुए वापस रामलीला प्रांगण में संपन्न होगी।

निवाड़गंज में जनवासा

अनिल तिवारी ने ये भी बताया कि परंपरा अनुसार पंचकोषी मंदिर निवाड़गंज में भगवान की बारात का जनवासा रहेगा। यहां की व्यवस्था नगर पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष दिनेश यादव, संजय गोस्वामी सहित अन्य श्रद्धालुओं द्वारा की जाएगी। जनवासे में दूल्हा बने श्रीराम सहित चारों भाइयों और अन्य बारातियों का स्वागत किया जाएगा। श्री तिवारी ने बताया कि बारात का रास्ते भर स्वागत होगा। उन्होंने यात्रा मार्ग के समस्त प्रतिष्ठान, आसाव में तोरण द्वार लगा प्रभु की अगवानी करने की अपील की है।

धनुष टूटते ही उत्सव

इससे पूर्व गुरुशुक्रवार की रात भगवान ने शिव धनुष का भंजन कर जनकजी का संपात हरा। फलस्वरूप माता सीता ने प्रभु श्रीराम के गले में वरमाला डाली। रामलीला में आज जनक के रूप में सौरभ पटेरया, रावण के रूप में पवन पांडे, बाणासुर के रूप में मोनू चौबे, परशुराम के रूप में पलाश पाठक ने शानदार अभिनय किया। लक्ष्मण जी के अभिनय कर्ता मानस पांडे ने भी दर्शकों की खूब तालियां बटोरीं।

लोकनायक जयप्रकाश नारायण की पुण्यतिथि पर किया याद



नवभारत, जबलपुर। अखिल भारतीय लोकतंत्र सेनानी संघ के तत्वावधान में लोकनायक जयप्रकाश नारायण की 47 वीं पुण्यतिथि लोकनायक जयप्रकाश नारायण चौक पर आयोजित की गई। जिसमें संगठन के राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य एवं बिहार प्रदेश के संगठन प्रभारी सिंघई अशोक जैन के संयोजन में श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में जेडीए अध्यक्ष संदीप जैन, उत्तर मध्य क्षेत्र के विधायक अभिलाष पाण्डेय, निगम अध्यक्ष रिंकू ब्रिज, जेडीए उपाध्यक्ष प्रशांत केसरवानी, मध्यप्रदेश भाजपा सहकारिता प्रकोष्ठ के प्रदेश सह-संयोजक भारत सिंह यादव, मध्यप्रदेश भाजपा व्यापारी प्रकोष्ठ के पूर्व प्रदेश संयोजक शरद अग्रवाल ने लोकनायक जयप्रकाश नारायण के उस शंखनाद जिसमें उन्होंने कहा था, संपूर्ण क्रांति अब नारा भावी इतिहास हमारा है, को याद करते हुए कहा जो वर्ष 1974 के 5 जून को उद्घोष किया था, कार्यक्रम में बड़ी संख्या में लोकतंत्र सेनानी एवं नवयुवकों की उपस्थिति उल्लेखनीय रही ।

अडानी फाउंडेशन की मदद से शिवांश का सीआरपीएफ में चयन

नवभारत,नवभारत। आर्थिक कठिनाइयों के बावजूद सरकारी नौकरी का सपना देखने वाले गुढ़गड़ौहा गांव निवासी शिवांश तिवारी का सपना अडानी फाउंडेशन और जिला प्रशासन के सहयोग से साकार हुआ। एसीसी कैमोर की सीएसआर पहल के तहत संचालित भारत निर्माण कोचिंग क्लासेस में शिवांश को एसएससी-जीडी परीक्षा की नि:शुल्क तैयारी का अवसर मिला।

कोचिंग में विशेषज्ञ मार्गदर्शन, अध्ययन सामग्री



और नियमित मॉक टेस्ट के माध्यम से शिवांश ने अपनी तैयारी को मजबूत किया। उन्होंने वर्ष 2025 में आयोजित एसएससी-जीडी परीक्षा सफलतापूर्वक उत्तीर्ण की। जनवरी 2026 में आयोजित राज्य स्तरीय रोजगार मेले में उन्हें केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) में कांस्टेबल पद का नियुक्ति पत्र मिला। शिवांश की सफलता आर्थिक रूप से सीमित परिवारों के युवाओं के लिए प्रेरणा बनी है। अडानी फाउंडेशन के अनुसार, सामुदायिक विकास कार्यक्रमों का उद्देश्य युवाओं को शिक्षा, कौशल एवं रोजगार के अवसर उपलब्ध कराकर उनकी आकांक्षाओं को सफल करियर में बदलना है। शिवांश ने उपलब्ध अवसर और मार्गदर्शन का लाभउठाकर राष्ट्रसेवा की दिशा में कदम बढ़ाया है।

10 साल के बच्चे की सफल सर्जरी, मिला नया जीवन

आयुष्मान भारत योजना का मिला लाभ नारायणा हृदयालय मुम्बई में की गई सर्जरी

नवभारत,जबलपुर। राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत आयुष्मान भारत योजना का 10 साल के श्री साहू निवासी श्याम बैण्ड वाली गली, लार्डगंज को लाभ मिला है। हृदय रोग का पता चलने के बाद स्वास्थ्य विभाग की टीम ने बच्चे को परिजनों की सहमति के बाद नारायणा हृदयालय मुम्बई रेफर किया जहां डॉक्टर्स ने



सफल सर्जरी के बाद बच्चे को नया जीवन दिया।

सुभाष शुक्ला- जिला प्रबंधक, राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम से प्राप्त जानकारी अनुसार जिला जबलपुर में राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम अंतर्गत हृदय रोग से ग्रसित 10 वर्ष के बालक श्री साहू पिता विकास साहू निवासी-श्याम बैण्ड वाली गली, लार्डगंज को आयुष्मान भारत योजना के माध्यम से सफल सर्जरी कर नया जीवन प्रदान किया गया है।

परिजनों ने जताया आभार

सफल सर्जरी के बाद बालक के परिवार ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, जिला कलेक्टर राघवेंद्र सिंह, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी जबलपुर, सिविल सर्जन सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक जबलपुर, नोडल अधिकारी आर.बी.एस.के. कार्यक्रम जबलपुर, जिला कार्यक्रम प्रबंधक एन.एच.एम. जबलपुर, डी.ई.आई.एम. जबलपुर, नारायणा हृदयालय मुम्बई महाराष्ट्र की टीम तथा समस्त आर.बी.एस.के टीम राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के प्रति आभार व्यक्त किया है।

जज्बा

एनसीसी कैडेट्स के लिए वायुसेना बनी प्रेरणा

हौसले की उड़ान को सलाम, हर उड़ान में देश की सुरक्षा का संकल्प

नवभारत , जबलपुर । आसमान में दिखाई देने वाला हर लड़ाकू विमान सिर्फ तकनीक और ताकत का प्रतीक नहीं, बल्कि देश की सुरक्षा के लिए सतर्क रहने वाले जांबाजों के हौसले की तस्वीर भी है। 8 अक्टूबर को मनाया जाने वाला भारतीय वायुसेना दिवस इसी साहस, अनुशासन और समर्पण को याद करने का अवसर है। देश की हवाई सीमाओं की सुरक्षा के साथ जरूरत के समय राहत और बचाव अभियानों में वायुसेना की भूमिका भी महत्वपूर्ण रही है।

आसमान की हिफाजत करने वाले जांबाजों को सलाम

वायुसेना दिवस भारतीय वायुसेना की गौरवशाली यात्रा और उसके



जवानों के योगदान को सम्मान देने का दिन है। बदलते समय के साथ वायुसेना की कार्यप्रणाली भी आधुनिक तकनीक के अनुरूप विकसित हुई है। लड़ाकू विमानों के साथ निगरानी प्रणाली, रडार, परिवहन विमान और आधुनिक तकनीक इसके अभियानों को मजबूत बनाते हैं। हर मिशन के पीछे प्रशिक्षण, अनुशासन और टीमवर्क की बड़ी भूमिका होती है।

एनसीसी से मिलती है देशसेवा की सीख

एनसीसी से जुड़ी छात्राओं के लिए वायुसेना दिवस का महत्व केवल एक सैन्य दिवस तक सीमित नहीं है। ड्रिल, परेड, कैंप और टीमवर्क के दौरान सीखा गया अनुशासन और नेतृत्व उन्हें रक्षा सेवाओं की कार्यशैली को समझने का अवसर देता है। वायुसेना के जांबाजों की जिम्मेदारी और समर्पण कई कैडेट्स को अपने भविष्य को लेकर लक्ष्य तय करने के लिए प्रेरित करता है।

बेटियों के लिए भी खुला आसमान

रक्षा क्षेत्र में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी ने छात्राओं के सामने नए अवसर खोले हैं। अब बेटियां भी वायुसेना को करियर के रूप में देख रही हैं और कठिन प्रशिक्षण व जिम्मेदारियों को स्वीकार करने के लिए खुद को तैयार कर रही हैं। एनसीसी उनके आत्मविश्वास, अनुशासन और नेतृत्व क्षमता को मजबूत करने में अहम भूमिका निभा रहा है।

इनका कहना है



दो साल से एनसीसी में हूं और यह मेरा तीसरा साल है। इन दो वर्षों में अनुशासन, समय की पाबंदी और टीम के साथ काम करने जैसी कई चीजें सीखीं। वायुसेना दिवस हमारे लिए खास है, क्योंकि देश की सुरक्षा में योगदान देने वाले जवानों के साहस और समर्पण को करीब से समझने का मौका मिलता है।

सलोनी लोधी
एनसीसी कैडेट छात्रा



एनसीसी में आने के बाद देशसेवा को लेकर मेरी सोच और मजबूत हुई है। दो साल की ट्रेनिंग में परेड, ड्रिल और कैंप के दौरान बहुत कुछ सीखने को मिला। अब तीसरे साल में हूं और वायुसेना दिवस मेरे लिए सिर्फ एक दिवस नहीं, बल्कि उन जवानों को याद करने का अवसर है जो देश की हवाई सीमाओं की सुरक्षा के लिए हमेशा तैयार रहते हैं।

गंगा रावत
एनसीसी कैडेट छात्रा

प्रभु येसु का हाथ हमें बचाने में समर्थ है : फादर डेविस जॉर्ज

बालक येसु की नवीना प्रार्थना का सातवां दिवस



नवभारत, जबलपुर। भंवरताल उद्यान की सुरम्य हरीतिमा के सामने होली ट्रिनिटी चर्च नेपियर टाउन में बालक येसु की वार्षिक भक्ति के 29 वें महोत्सव के तारतम्य में नौदिवसीय प्रार्थना के सातवें दिवस पर कैथोलिक धर्मप्रान्त के विकार जनरल तथा सेंट पीटर एवं पॉल कैथीड्रल चर्च के पल्ली पुरोहित के श्रद्धेय डॉ. फादर डेविस जॉर्ज के करकमलों से पावन खीस्तयाग अर्पित किया गया।

इस अवसर पर फादर डेविस जॉर्ज ने प्रवचन की अमृतवर्षा करते हुए कहा कि हमारे जीवन में बालक येसु कई चमत्कारों को करने के लिए दो हजार से भी अधिक वर्ष पूर्व मनुष्य बनकर जन्म लेते हैं। जो भी प्रभु येसु को पुकारते है वे उन्हें छोड़ते नहीं है। आपके जीवन में यदि दुख हो, दर्द हो, बेचैनी हो, कष्ट हो, परेशानी हो, समस्या हो अथवा अशांति हो आपके भारी बोझ को हटाने के लिए प्रभु येसु तत्पर रहते हैं। बालक येसु के जन्म के सात सौ वर्ष पूर्व नबी इसायाह ने उनके जन्म की भविष्यवाणी की थी। येसु के पास कोई सेना नहीं थी, कोई साम्राज्य नहीं था वह एक गोशाले में विनम्र बनकर जन्म लेते हैं ताकि मनुष्यों की मुक्ति के लिए कार्य कर सकें। इस अवसर पर सेंट पीटर एवं पॉल कैथीड्रल चर्च की गायन मंडली ने सुमधुर स्वर से बालक येसु की स्तुति करने में विश्वासियों का सहयोग किया। आज बालक येसु की वार्षिक भक्ति के क्रम में नवमें दिवस संध्या 6 बजे से बालक येसु के आदर में पावन खीस्तयाग, नवीना प्रार्थना तथा आराधना की जायेगी।